जर्ना 2.0 वीकल...ये भारतीय सेना को समुद्र के हर कोने की जानकारी देगा

नार्वे में प्रतियोगिता में पहुंचा छात्रों का दल। दूसरे चित्र में नागदा के निखिल से मिले नार्वे के भारतीय विदेशी राजदूत डॉ. एक्विनो विमल।

पत्रिका
हरीश पांचाल
patrika.com

नागदा. देश की सेना के लिए चेन्नई की एसआरएम यूनिवर्सिटी के छात्रों ने एक विशेष उपक्रम बनाया है। जर्ना 2.0 वीकल नाम का यह उपक्रम समुद्र के अंदर के कोने-कोने की जानकारी सेना को देगा। इस उपक्रम को यूनिवर्सिटी के 8 छात्रों ने बनाया हैं। इसमें बीटेक कम्प्यूटर साइंस अंतिम वर्ष के छात्र नागदा के निखिल पिता भंवरसिंह शेखावत ने उपक्रम के सारे सॉफ्टवेयर डेवलप किए हैं। निखिल नागदा के वरिष्ठ भाजपा नेता सुल्तानसिंह शेखावत के पोते हैं। विगत 11 से 15 जून तक नार्वे में आयोजित हुई अंडरवाटर वीकल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही टीम एसआरएमएयूवी इंडिया ने अपने इस उपक्रम के लिए काफी सराहना पाई, क्योंकि प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले बाकी 14 देशों की अलग-अलग यूनिवर्सिटी, कॉलेजों के छात्रों द्वारा बनाए इस उपक्रम के मुकाबले चेन्नई की यूनिवर्सिटी के इन छात्रों द्वारा बनाया यह उपक्रम काफी हल्का होने के साथ ही कम बजट वाला है। करीब डेढ़ साल की प्लानिंग के बाद 6 महीने में बनाकर तैयार किया गया है। इसका वजन करीब 20 किलो व लागत करीब 6 लाख रुपए हैं। उपक्रम के सॉफ्टवेयर डेवलप करने वाले निखिल से नार्वे के भारतीय विदेशी राजदूत डॉ. एक्विनो विमल ने मुलाकात भी की। प्रतियोगिता में आइआइटी बॉम्बे के स्टूडेंटस ने भी भाग लिया था। भारत वापस लौटने पर कॉलेज के डीन, विभागाध्यक्ष सहित प्रोफेसरों ने शुभकामनाएं दी।

वाटर बोतल जितना उपक्रम बनाने का लक्ष्य

सेना के पास बड़ी पनडुब्बियां हैं, जिनका समुद्र के हर हिस्से तक पहुंच पाना मुश्किल है। इसी सोच को लेकर यह छोटा उपक्रम बनाया है। यह उपक्रम पानी के संपर्क में आते ही काम करेगा। यह पानी की 20 मीटर गहराई तक जा सकता है। इसकी साइज 2 मीटर व 70 सेंटीमीटर है। स्वीमिंग पूल सहित अन्य किसी प्रकार की वाटर बॉडी में भी यह जा सकेगा। इसमें 360 डिग्री के चार कैमरे लगे हैं, जो समुद्र के हर कोने की इमेज को दिखाएंगे। इन इमेज को लैपटॉप से कनेक्ट करके देखा जा सकेगा। निखिल ने बताया आगे वाटर बोतल जितनी साइज का उपक्रम बनाने का लक्ष्य है।

अपने-अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हुए दोनों पुत्रों ने पिता सहित शहर का नाम किया गौरन्वावित

नागदा जं (दस्तक)।

पुत्रों की सफलता से पिता का नाम हो, उन्हें पहचाना जा सके ऐसा हर पिता का सपना होता है और यदि किसी पिता को यह मुकाम हासिल हो जाए तो संसार में उससे अधिक संतुष्ट पिता कोई हो ही नहीं सकता है। हमारे शहर के दो पुत्रों ने इसी तरह की सफलता हासिल कर अपने पिता के साथ शहर के नाम को भी गौरन्वावित किया है। दोनों ही पुत्रों द्वारा अपनी-अपनी फील्ड में सफलता प्राप्त की गई है, जिसमें पहले पुत्र द्वारा नार्वे में सफलता प्राप्त करते हुए दूसरे पुत्र द्वारा भी गोवा में अपने-अपने क्षेत्र में सफलता प्राप्त की गई है। नागदा निवासी निखिल पिता भंवर सिंह शेखावत एवं अंश सिंह पिता भंवर सिंह शेखावत द्वारा सफलता हासिल की गई है।

नार्वे में किया नाम रोशन

नॉर्वे में हुई अंडरवाटर व्हीकल प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व टीम एसआरएमएयूवी इंडिया ने किया। 4 दिवसों वाली प्रतियोगिता में दुनिया भर से आई अमेरिका, पोलैंड, नॉर्वे, टर्की से आयी टीमो ने भाग लिया। टीम को चौथा स्थान प्राप्त हुआ और सबसे कम खर्च से वहां बनाया गया, वाहन की लागत केवल 6 लाख है 7 और सबसे हल्का और कलाकार डिजाइन बनाने के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के दौरान टीम से मिलें नॉर्वे के भारतीय विदेशी राजदूत डॉ. एक्निनो विमल आए और निखिल से बातचीत के दौरान काम की सराहना की।

पहला स्थान नॉर्वे की टीम वोर्टेक्स को मिला। भारत वापस लौटने पर कॉलेज के डीन, विभागाध्यक्ष सहित प्रोफेसरों ने बधाई दी और कॉलेज में स्वागत किया गया। निखिल फिलहाल एसआरएम यूनिवर्सिटी चेन्नई में बैचलर्स के अंतिम वर्ष में हैं। व्हीकल का वज़न 20 किलो है। सबसे हल्का और कारागार डिज़ाइन होने के लिए नॉर्वे में भारतीय

राजदूत डॉ विमल द्वारा सहारनना की गई। व्हीकल पानी में 20 मीटर की गहराई तक जा सकता है। उसपे लगे 4 कैमरा की मदद से समुद्र के नीचे की गतिविधियों का पता लगाया जाता है। टीम से मिलने आये राजदूत डॉ विमल ने टीम से बातचीत दौरान काम की खूब सहराना की।

गोवा में किया नाम रोशन

अंश सिंह शेखावत, जो कि दूसरे बेटे हैं और एसआरएम यूनिवर्सिटी, चेन्नई में बी.टेक कंप्यूटर साइंस के तीसरे वर्ष के छात्र हैं, ने गोवा यूनिवर्सिटी में आयोजित राष्ट्रीय अंतरिक्ष विज्ञान संगोष्ठी 2024 में अपने कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया।

इस कार्यक्रम में गोवा राज्य के राज्यपाल पी.एस. श्रीधरन पिल्लई और इसरो के अध्यक्ष तथा भारत सरकार के डीओएस के सचिव श्री एस. सोमनाथ सहित कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने भाग लिया। अंश को समकालीन अंतरिक्ष विज्ञान और इसकी भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए दुनिया भर के वैज्ञानिकों से जुड़ने का अवसर मिला। उन्होंने एक प्रतिष्ठित श्रोता के समक्ष ÷लूनर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी÷ पर एक सार्वजनिक शोध प्रस्तुति भी दी, जिसके लिए उनके व्यावहारिक योगदान की प्रशंसा की गई।